वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 276 रविवार 1 मार्च 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

विज्ञान का महाकुंभ संपन्न

आधी आबादी, पूरा विज्ञानः 'महिलाएं विकसित भारत की उत्प्रेरक' थीम के साथ जयपुर में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का भव्य आयोजन

डीआरडीओ निदेशक ने एमएनआईटी में युवाओं को दी नवाचार की प्रेरणा

तीन दिवसीय विज्ञान महोत्सव का 'विकसित भारत मार्च' के साथ शानदार समापन

जयपुर. कासं

राजस्थान की राजधानी जयपुर स्थित मालवीय नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमएनआईटी) में आयोजित तीन दिवसीय 'राजस्थान विज्ञान महोत्सव-2026' का शनिवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर भव्य समापन हुआ। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, विज्ञान भारती और एमएनआईटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस महोत्सव ने पिछले तीन दिनों से वैज्ञानिक चेतना और नवाचार की जो अलख जगाई थी, उसका समापन विद्यार्थियों और शोधार्थियों के भारी उत्साह के बीच हुआ। समापन सत्र के मुख्य अतिथि, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के शासन सचिव वी. सरवण कुमार ने महोत्सव के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे मंच युवाओं की रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच को निखारने में मील का पत्थर साबित होते हैं। पुरस्कारों की श्रेणियों में चित्रकला, क्विज प्रतियोगिता, डीएनए एक्सट्रैक्शन चैलेंज, सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शक और 'स्टार्ट-अप आइडिया' जैसे नवाचारी विषय शामिल रहे। विजेताओं को प्रमाण पत्र और स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिससे भविष्य के वैज्ञानिकों का मनोबल बढ़ा। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस-2026 की केंद्रीय थीम विज्ञान में महिलाएं-विकसित भारत की उत्प्रेरक पर केंद्रित विशेष सत्र ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। डीआरडीओ (नई दिल्ली) के स्ट्रैटेजिक लैब के निदेशक डॉ. महेश राजपुरोहित ने रक्षा एवं अंतरिक्ष क्षेत्र में महिलाओं का नेतृत्व विषय पर प्रेरक व्याख्यान दिया।

रमन प्रभाव और वैज्ञानिक विरासत

महोत्सव के अंतिम दिन 'रमन स्पेक्ट्रम' पर आयोजित विशेष व्याख्यान में महान वैज्ञानिक सी.वी. रमन के योगदान को याद किया गया। विशेषज्ञों ने रमन प्रभाव के वैज्ञानिक महत्व और इसके व्यावहारिक उपयोगों पर विस्तार से चर्चा की। इससे पूर्व, दिन की शुरूआत विकसित भारत@2047 मार्च से हुई, जिसमें तिरंगे और विज्ञान के नारों के साथ बड़ी संख्या में छात्राओं ने भाग लेकर महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। समारोह में राजस्थान विश्वविद्यालय की कुलगुरु अल्पना कटेजा, बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर अखिल रंजन और भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के पूर्व सचिव पद्मआशुतोष शर्मा भी उपस्थित रहे। अतिथियों ने एक स्वर में कहा कि विज्ञान ही राष्ट्र के समग्र विकास की रीढ़ है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहें, बल्कि अपने भीतर वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करें और नवाचार के माध्यम से समाज की समस्याओं का समाधान खोजें। तीन दिवसीय राजस्थान विज्ञान महोत्सव विद्यार्थियों और आमजन में विज्ञान के प्रति रुचि पैदा करने में पूर्णतः सफल रहा। संवाद सत्रों, नेटवर्किंग कार्यक्रमों और बैज पिनिंग गतिविधियों ने शोधार्थियों को एक नया मंच प्रदान किया। इस आयोजन ने यह स्पष्ट कर दिया कि 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य की प्राप्ति केवल विज्ञान और तकनीक के सुदृढ़ आधार पर ही संभव है। समापन समारोह में वैज्ञानिकों, शिक्षकों और जयपुर के गणमान्य नागरिकों की गरिमामय उपस्थिति रही।

विधानसभा में मुख्यमंत्री का 'दक्ष पुलिसिंग' विजन

पुलिस तकनीकी संवर्ग का होगा पुनर्गठन

महत्वपूर्ण संस्थानों की रक्षा हेतु बनेगा 'राज्य विशेष पुलिस बल'

जयपुर. कासं

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को विधानसभा में वित्त एवं विनियोग विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए प्रदेश की कानून-व्यवस्था को आधुनिक, संवेदनशील और अभेद्य बनाने की कार्ययोजना प्रस्तुत की। बजट 2026-27 के प्रावधानों को विस्तार देते हुए मुख्यमंत्री ने पुलिस तंत्र के सशक्तीकरण, तकनीकी उन्नयन और कार्मिकों के कल्याण से जुड़ी कई ऐतिहासिक घोषणाएँ कीं। मुख्यमंत्री का यह संबोधन स्पष्ट रूप से 'दक्ष और सशक्त पुलिसिंग' के संकल्प को समर्पित रहा, जिसमें अपराधी में भय और आमजन में विश्वास की अवधारणा को धरातल पर उतारने का प्रयास किया गया है।

तकनीकी संवर्ग का ऐतिहासिक न्यायः 28 साल का गतिरोध समाप्त

मुख्यमंत्री की सबसे महत्वपूर्ण घोषणा पुलिस विभाग के तकनीकी संवर्ग के उन हजारों कार्मिकों के लिए रही, जो पिछले ढाई दशकों से एक ही पद पर अटके हुए थे। शर्मा ने सदन को अवगत कराया कि वर्ष 1998 में नियुक्त तकनीकी संवर्ग के आरक्षी आज भी उसी पद पर कार्यरत हैं, जबकि उनके साथ नागरिक पुलिस में भर्ती हुए साथी पदोन्नत होकर सहायक उप निरीक्षक बन चुके हैं। इस विसंगति को दूर करते हुए मुख्यमंत्री ने संवर्ग पुनर्गठन का निर्णय लिया है। इस ऐतिहासिक फैसले से तकनीकी पदों पर कार्यरत 7,000 से अधिक कार्मिकों को पदोन्नति के नए अवसर प्राप्त होंगे। यह न केवल कार्मिकों के मनोबल को बढ़ाएगा, बल्कि आधुनिक अपराधों की जाँच में तकनीकी इकाई की कार्यकुशलता को भी सुदृढ़ करेगा।

शांति भवन में गूंजा गगनभेदी जयघोष

प्रवर्तक सुकन मुनि व उपप्रवर्तक अमृत मुनि का ऐतिहासिक मंगल प्रवेश

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के तत्वावधान में शनिवार को भोपालगंज स्थित शांति भवन में अध्यात्म का अनूठा उल्लास देखने को मिला। प्रवर्तक सुकन मुनि महाराज, उपप्रवर्तक अमृत मुनि, युवाप्रणेता महेश मुनि, मेवाड़ गौरव रविन्द्र मुनि, बालयोगी अखिलेश मुनि एवं डॉ. वरुण मुनि आदि संतवृंद का 'होली चातुर्मास' हेतु भव्य मंगल प्रवेश संपन्न हुआ।

भक्ति और संयम की निकली भव्य शोभायात्रा

संघ मंत्री नवरतनमल भलावत ने बताया कि मंगल प्रवेश से पूर्व नाड़ी मोहल्ला स्थित महावीर भवन से एक विशाल शोभायात्रा निकाली गई। शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरती इस यात्रा में जयघोष, मंगल गीत और भक्ति स्तवन से संपूर्ण वातावरण धर्ममय हो गया। शांति भवन पहुँचने पर संघ के संरक्षक नवरतनमल बंब, अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद चीपड़ और विभिन्न मंडलों के पदाधिकारियों सहित सैकड़ों श्रावक-श्राविकाओं ने संतों की भावपूर्ण अगवानी की।

हमें कर्मों की होली जलानी है: प्रवर्तक सुकन मुनि

मंगल प्रवेश के उपरांत आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए प्रवर्तक सुकन मुनि महाराज ने होली के पर्व को एक आध्यात्मिक दृष्टि प्रदान की। उन्होंने कहा, ₹होली का वास्तविक स्वरूप केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि अंतरंग शुद्धि का महापर्व है। बाह्य अग्नि में तो लकड़ी जलती है, किंतु एक सच्चे साधक का लक्ष्य अपने भीतर के राग, द्वेष, क्रोध और लोभ जैसे विकारों को तप की ज्वाला में भस्म करना होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि जब तक जीव मोह और आसक्ति के जाल में बंधा है, तब तक वास्तविक स्वतंत्रता संभव नहीं है। भावों की शुद्धि से ही कर्मों का आस्रव रुकता है और आत्मा प्रकाशमान होती है।

अनित्यता ही जागृति का आधार: डॉ. वरुण मुनि

डॉ. वरुण मुनि ने संसार की क्षणभंगुरता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शरीर, संपत्ति और प्रतिष्ठा सभी अनित्य हैं। उन्होंने 'नम्रता' को जीवन का वास्तविक अलंकार बताया और कहा कि विनययुक्त व्यक्ति ही स्थायी सम्मान प्राप्त करता है। यह चातुर्मास काल आत्ममंथन और कषायों को क्षीण करने का स्वर्णिम अवसर है।

2 मार्च को दीक्षा दिवस और महामिलन का विशेष आयोजन

प्रवक्ता सुनील चपलोत ने जानकारी दी कि होली चातुर्मास के दौरान प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से शांति भवन में विशेष प्रवचन आयोजित होंगे। आगामी 2 मार्च को शांति भवन में प्रवर्तक सुकन मुनि महाराज का दीक्षा दिवस श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर विशाल संत-साध्वी मंडल की गरिमामयी उपस्थिति में विशेष आराधना संपन्न होगी।

श्याम बाबा के जयकारों से गुंजायमान हुआ भीलवाड़ा

सजी छप्पन भोग की झांकी, भजनों पर झूमे श्रद्धालु

भीलवाड़ा. कासं। धर्मनगरी भीलवाड़ा के शास्त्रीनगर (सी सेक्टर) स्थित श्री श्याम मंदिर में शुक्रवार को श्रद्धा और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। श्री श्याम मंदिर सेवा मण्डल समिति द्वारा आयोजित निशान यात्रा और संकीर्तन महोत्सव में हजारों भक्तों ने बाबा श्याम के दरबार में हाजिरी लगाई।

निशान यात्रा और दिव्य श्रृंगार

उत्सव का शुभारंभ प्रातः 8:15 बजे शास्त्रीनगर पार्क से भव्य निशान यात्रा के साथ हुआ। हाथों में श्याम बाबा की ध्वजा (निशान) लिए श्रद्धालु जयकारे लगाते हुए मंदिर पहुँचे। मंदिर परिसर को रंग-बिरंगे फूलों और आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया गया था। बाबा श्याम की प्रतिमा का मनमोहक श्रृंगार कर छप्पन भोग की भव्य झांकी सजाई गई, जिसे निहारने के लिए भक्तों का तांता लगा रहा।

भक्ति संगीत की बही धारा

दोपहर में महिला मण्डल द्वारा सामूहिक कीर्तन किया गया। उत्सव का मुख्य आकर्षण रात्रि 8 बजे शुरू हुआ विशाल भजन संकीर्तन रहा। इसमें सूरत के प्रसिद्ध भजन गायक अमित शेरेवाला और भीलवाड़ा की मिताली मानसिंहका ने अपनी सुमधुर आवाज में 'दीनानाथ मेरी बात', 'हारे का सहारा' जैसे एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। देर रात तक चले इस आयोजन में श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर होकर झूमते नजर आए।

समिति ने जताया आभार

आयोजन की भव्यता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि शास्त्रीनगर के साथ-साथ भीलवाड़ा के विभिन्न क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में श्याम भक्त यहाँ पहुँचे। श्री श्याम मंदिर सेवा मण्डल समिति ने कार्यक्रम की अभूतपूर्व सफलता पर सभी कार्यकर्ताओं और श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के विरुद्ध भारत का महाअभियान

चिकित्सक सज्जन राजपुरोहित ने बताया टीकाकरण को ऐतिहासिक कदम

मनोज जैन नायक, मुरैना

भारत सरकार द्वारा 14 वर्ष की बालिकाओं के लिए राष्ट्रव्यापी निःशुल्क मानवीय पैपिलोमा विषाणु (एचपीवी) टीकाकरण कार्यक्रम की घोषणा को चिकित्सा जगत ने अर्बुद (कैंसर) उन्मूलन की दिशा में एक क्रांतिकारी निर्णय बताया है। मेदांता चिकित्सालय के प्रख्यात अर्बुद रोग विशेषज्ञ डॉ. सज्जन राजपुरोहित ने इस नीति का स्वागत करते हुए इसे भारतीय महिलाओं के सुरक्षित भविष्य के लिए एक ऐतिहासिक सुरक्षा कवच बताया है।

खतरे की भयावहता और रोकथाम का उपाय

डॉ. राजपुरोहित के अनुसार, भारत में महिलाओं के बीच मृत्यु का एक बड़ा कारण गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर है। आँकड़े बताते हैं कि यह घातक बीमारी प्रतिवर्ष लगभग 80,000 महिलाओं की जान लेती है। इस रोग का मुख्य कारण उच्च-जोखिम वाले विषाणु संक्रमण (विशेषकर प्रकार 16 और 18) हैं। किशोरावस्था में, किसी भी संभावित विषाणु संपर्क से पहले टीकाकरण करने पर यह टीका 93% से 100% तक सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम है।

अभियान की मुख्य विशेषताएं

निःशुल्क उपलब्धताः यह स्वैच्छिक कार्यक्रम आयुष्मान आरोग्य मंदिरों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और जिला चिकित्सालयों में पूरी तरह मुफ्त उपलब्ध होगा।

प्रभावशाली टीकाः कार्यक्रम में विशेष टीके का उपयोग किया जाएगा, जो संक्रमण के विरुद्ध सर्वाधिक प्रभावी माना जाता है।

लक्ष्यः 90 दिनों के इस तीव्र अभियान का लक्ष्य प्रतिवर्ष 1 करोड़ से अधिक बालिकाओं को सुरक्षित करना है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2030 तक के वैश्विक उन्मूलन लक्ष्य के अनुरूप है।

भविष्य के स्वास्थ्य भार में आएगी कमी

डॉ. सज्जन राजपुरोहित ने बताया, ''एक विशेषज्ञ के रूप में मैं इस सक्रिय नीति की सराहना करता हूँ क्योंकि यह उपचार से पहले रोकथाम को प्राथमिकता देती है। यह न केवल भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं के बोझ को कम करेगी, बल्कि समाज के हर आर्थिक वर्ग की बालिकाओं को समान सुरक्षा प्रदान कर अनगिनत जीवन बचाएगी।'' उन्होंने जोर दिया कि इस ऐतिहासिक कदम की सफलता के लिए व्यापक जन-जागरूकता, सामुदायिक भागीदारी और राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम में इसका निरंतर जुड़ाव अत्यंत आवश्यक है।

पद्मावती पब्लिक स्कूल में होली का उल्लास

नन्हे-मुन्नों ने गुलाल और गीतों संग बिखेरे भाईचारे के रंग

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानसरोवर स्थित पद्मावती पब्लिक स्कूल (श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद द्वारा संचालित) के प्रांगण में रंगों का पावन पर्व होली अत्यंत हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। विद्यालय के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने रंगों के इस उत्सव को प्रेम और सद्भाव के संदेश के साथ जीवंत कर दिया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

विद्यालय की आचार्या श्रीमती हेमलता जैन ने बताया कि उत्सव के दौरान विद्यार्थियों ने होली के मधुर लोकगीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए, जिसने पूरे वातावरण को उत्सव के रंग में सराबोर कर दिया। बच्चों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर और मिठाइयां खिलाकर आपसी प्रेम और भाईचारे का परिचय दिया।

रचनात्मक गतिविधियों से सीखी परंपरा

उत्सव को केवल मनोरंजन तक सीमित न रखते हुए, विद्यार्थियों के लिए विशेष 'कला एवं शिल्प' गतिविधियों का आयोजन किया गया। शिक्षकों ने बच्चों को होली के सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सामाजिक महत्व की जानकारी दी। उन्हें बताया गया कि यह पर्व बुराई पर अच्छाई की जीत और सभी मतभेदों को भुलाकर एक होने का प्रतीक है।

गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति

इस अवसर पर श्री महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद के अध्यक्ष श्री उमरावमल संघी एवं कोषाध्यक्ष श्री महेश जी काला मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों के उत्साह की सराहना की और सभी को सुरक्षित व सूखी होली मनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान और सामूहिक उल्लास के साथ हुआ।

छीपीटोला में गूंजे मंगल गीत

आदिनाथ पंचकल्याणक हेतु माता-पिता की गोदभराई संपन्न

आगरा. शाबाश इंडिया। निर्यापक मुनिश्री विलोक सागर जी एवं मुनिश्री विबोध सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में शनिवार को छीपीटोला स्थित जैन भवन में एक भव्य गोदभराई एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। आगामी अप्रैल माह में श्री सर्वतोभद्र जिनालय में होने वाले 'आदिनाथ पंचकल्याणक महोत्सव' के लिए पारसमल जैन एवं स्नेहलता जैन को तीर्थंकर भगवान के माता-पिता बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

भक्ति और उल्लास का संगम

कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण के साथ हुआ, जिसके पश्चात उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार मेवा, फल और अक्षत से तीर्थंकर माता की गोदभराई की। तीर्थंकर पिता का तिलक और माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया। महिलाओं ने मंगल गीतों और नृत्य की प्रस्तुतियों से संपूर्ण वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस अवसर पर मनोज जैन 'बल्लो', मुन्ना लाल जैन और मीडिया प्रभारी शुभम जैन सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन दीपक जैन ने किया। आयोजन ने आगामी पंचकल्याणक महोत्सव के प्रति संपूर्ण जैन समाज में अभूतपूर्व उत्साह का संचार कर दिया है।

परिदृश्य

न्यायिक जवाबदेही और 'बरी' होने के बाद के अनुत्तरित प्रश्न

एडवोकेट
किशन सनमुखदास भावनानी

भारत सहित दुनिया के लगभग सभी लोकतांत्रिक देशों में आपराधिक न्याय प्रणाली जटिल और प्रक्रिया-प्रधान होती है। विधि का शासन सुनिश्चित करने के लिए निचली अदालत से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक साक्ष्यों और गवाहों को बारीकी से परखा जाता है। यह प्रक्रिया न्याय के लिए आवश्यक तो है, परंतु इसकी लंबी अवधि अक्सर आरोपित के जीवन का बहुमूल्य समय निगल जाती है। 27 फरवरी 2026 को दिल्ली की अदालत द्वारा आबकारी नीति मामले में अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया सहित 23 आरोपितों को बरी किए जाने के बाद एक गंभीर विमर्श का प्रारंभ हुआ है। अदालत की इस टिप्पणी ने कि 'अभियोजन का मामला ठोस साक्ष्यों के बजाय अनुमानों पर आधारित था,' न केवल इस मुकदमे का अंत किया है, बल्कि न्यायिक जवाबदेही और अभियोजन की गुणवत्ता पर भी वैश्विक प्रश्न खड़े कर दिए हैं। अदालत ने हजारों पन्नों के आरोपपत्र का विश्लेषण करते हुए पाया कि कथित 'साजिश का सिद्धांत' गवाहों या दस्तावेजी साक्ष्यों से पुष्ट नहीं होता। अदालत ने स्पष्ट किया कि संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्तियों का नाम बिना ठोस प्रमाण के जोड़ना विधिक सिद्धांतों के विरुद्ध है। मुख्य आरोपी बताए गए कुलदीप सिंह और मनीष सिसोदिया के विरुद्ध भी कोई पुख्ता सामग्री न मिलने पर उन्हें बरी किया गया। सबसे गंभीर बात यह रही कि न्यायालय ने जाँच अधिकारी के विरुद्ध विभागीय जाँच के आदेश दिए, जो यह संकेत देता है कि जाँच की गुणवत्ता और निष्पक्षता में गंभीर खामियां थीं। जब कोई व्यक्ति वर्षों तक मुकदमे और कारावास की यातना झेलने के बाद अंततः निर्दोष सिद्ध होता है, तो मूल प्रश्न उठता है उसके बीते हुए समय, सामाजिक प्रतिष्ठा और मानसिक आघात की भरपाई कौन करेगा? निर्दोष व्यक्ति की क्षति बहुआयामी होती है: **सामाजिक क्षति:** समाज में बदनामी और सार्वजनिक छवि का विनाश। **आर्थिक क्षति:** आय का नुकसान और भारी कानूनी खर्च।

संपादकीय

भक्ति, परंपरा और अटूट सांस्कृतिक विरासत

भारतवर्ष में त्योहार केवल तिथियों का समूह नहीं, बल्कि लोक-आस्था और सामूहिक उल्लास का प्रतिबिंब होते हैं। इनमें 'होली' का स्थान सर्वोपरि है, जो न केवल रंगों का उत्सव है, बल्कि प्रेम, सद्भाव और विजय का प्रतीक भी है। जब हम होली की चर्चा करते हैं, तो 'ब्रज की होली' का उल्लेख अनिवार्य हो जाता है। मथुरा, वृंदावन, बरसाना और नंदगांव की गलियों में खेली जाने वाली यह होली अपनी अनूठी परंपराओं के कारण आज वैश्विक आकर्षण का केंद्र बन चुकी है। ब्रज की होली का सीधा संबंध भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी की दिव्य लीलाओं से जुड़ा है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, द्वापर युग में कान्हा ने अपनी गोपियों और राधा के साथ इसी पावन धरा पर रंग-गुलाल की होली खेली थी। सदियों पुरानी इस स्मृति को आज भी ब्रजवासी उसी जीवंतता और श्रद्धा के साथ संजोए हुए हैं। यहां होली केवल एक दिन का पर्व नहीं, बल्कि बसंत पंचमी से शुरू होकर लगभग 40 दिनों तक चलने वाला एक वृहद सांस्कृतिक अनुष्ठान है। ब्रज क्षेत्र में होली के कई रूप देखने को मिलते हैं, जिनमें से प्रत्येक का अपना विशेष महत्व और आकर्षण है: लठमार होली: बरसाना और नंदगांव की लठमार होली विश्व प्रसिद्ध है। यहां की गोपियां (महिलाएं) प्रतीकात्मक रूप से ग्वालों (पुरुषों) पर लाठियां बरसाती हैं और पुरुष ढाल से अपना बचाव करते हैं। यह परंपरा हार-जीत की नहीं, बल्कि हास्य, विनोद और अटूट प्रेम का प्रतीक है। **फूलों की होली:** वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में खेली जाने वाली फूलों की होली भक्ति और सौंदर्य का अद्भुत संगम पेश करती है। जब मंदिर के प्रांगण में क्विंटल भर ताजे फूलों की वर्षा होती है, तो ऐसा प्रतीत होता है मानो साक्षात स्वर्ग धरती पर उतर आया हो। **रंग और गुलाल:** यहां के मंदिरों में अबीर-गुलाल की ऐसी वर्षा होती है कि समूचा वातावरण 'श्यामामय' हो जाता है। समाज गायन और लोकगीतों की गूंज इस उत्सव के आनंद को कई गुना बढ़ा देती है। बदलते समय और बढ़ते वैश्वीकरण के कारण इस पवित्र परंपरा के सम्मुख कुछ चुनौतियां भी उभरी हैं। अत्यधिक भीड़, व्यावसायिकता का बढ़ता प्रभाव और रासायनिक रंगों का उपयोग इस उत्सव की मूल सात्विकता को प्रभावित कर रहा है। आज यह प्रशासन और समाज दोनों का सामूहिक उत्तरदायित्व है कि इस सांस्कृतिक धरोहर की गरिमा को अक्षुण्ण रखा जाए। प्राकृतिक और पर्यावरण-अनुकूल रंगों (जैसे टेसू के फूल) का पुनः उपयोग और आयोजन की सुरक्षा सुनिश्चित करना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि पर्यटन के बढ़ते दबाव में हमारी पारंपरिक मर्यादा और भक्ति का भाव ओझल न हो। ब्रज की होली हमें यह संदेश देती है कि जीवन का वास्तविक सौंदर्य प्रेम, मेल-मिलाप और भक्ति में निहित है। यह पर्व सामाजिक भेदभाव को मिटाकर सबको एक ही रंग में रंगने की शक्ति रखता है। यह केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि हमारी सामूहिक पहचान और गौरवशाली विरासत है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

एक नासमझ की नस्ली टिप्पणी और पूर्वोत्तर की पीड़ा

मनोज कुमार अग्रवाल

भारत अपनी विविधता के लिए विश्व भर में विख्यात है, परंतु कभी-कभी कुछ संकीर्ण मानसिकता वाले व्यक्तियों का व्यवहार इस गौरवशाली छवि पर प्रश्नचिह्न लगा देता है। हाल ही में नई दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में अरुणाचल प्रदेश की तीन युवतियों के साथ हुई अभद्रता और नस्लीय टिप्पणी ने एक बार फिर देश को झकझोर दिया है। एक वातानुकूलन यंत्र (एसी) लगाने जैसी मामूली बात से शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते नस्लीय अपमान में बदल गया, जिसने पूर्वोत्तर के प्रति समाज के एक वर्ग के भीतर छिपे दुराग्रहों को उजागर कर दिया।

घटनाक्रम और कानूनी कार्रवाई

घटना उस समय हुई जब किराए के घर में रह रही युवतियां अपने फ्लैट में कार्य करवा रही थीं। ड्रिलिंग से उठी धूल नीचे वाले फ्लैट पर गिरने के कारण पड़ोसी महिला ने आपत्ति जताई। यह सामान्य पड़ोसी विवाद तब गंभीर हो गया जब आरोपी महिला ने उन युवतियों की जातीयता और पहचान को लेकर अत्यंत अपमानजनक और कुत्सित शब्दों का प्रयोग किया। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में स्पष्ट देखा जा सकता है कि यह झगड़ा मात्र धूल-मिट्टी को लेकर नहीं था, बल्कि उनकी शारीरिक बनावट और मूल स्थान को लक्षित कर किया गया हमला था। दिल्ली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला को गिरफ्तार किया है और मामले की गंभीरता को देखते हुए अनुसूचित जाति एवं जनजाति अधिनियम के तहत कठोर धाराएं भी जोड़ी गई हैं। यह कोई पहली घटना नहीं है। वर्ष 2014 में नीदो तानिया की हत्या से लेकर हाल के वर्षों में त्रिपुरा के छात्र अंजेल चकमा की मृत्यु तक, पूर्वोत्तर के नागरिकों के विरुद्ध होने वाले भेदभाव की एक लंबी श्रृंखला रही है। पूर्वोत्तर के मुख्यमंत्री तक सार्वजनिक मंचों पर इस पीड़ा को व्यक्त कर चुके हैं कि उन्हें अपने ही देश में 'भारतीय' सिद्ध करने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अक्सर पूर्वोत्तर को देश का सबसे विशिष्ट और महत्वपूर्ण क्षेत्र बताया है, लेकिन धरातल पर कुछ तत्व इस प्रकार की घटनाओं को तूल देकर अलगाव की भावना भड़काने का प्रयास करते रहते हैं।

सांस्कृतिक भिन्नता और भ्रामक धारणाएं

भारत की खूबसूरती इसके 'कोस-कोस पर पानी और भाषा' बदलने में निहित है। पूर्वोत्तर का समाज स्त्री-प्रधान और खुला है, जहाँ महिलाएं सार्वजनिक जीवन में महती भूमिका निभाती हैं। शेष भारत के कुछ संकीर्ण लोग इस प्रगतिशील सामाजिक व्यवस्था को संशय और नकारात्मक दृष्टि से देखते हैं। खान-पान, वेशभूषा और कद-काठी के आधार पर उन्हें 'बेगाना' करार देना न केवल अमानवीय है, बल्कि राष्ट्रीय एकता के विरुद्ध भी है। पर्वतीय क्षेत्रों की सरल और सहज जीवनशैली को अनैतिकता या बाहरी मान लेना हमारी अपनी समझ की कमी को दर्शाता है। पूर्वोत्तर के लोग देश की मुख्यधारा का अभिन्न हिस्सा हैं। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू और केंद्रीय मंत्रियों ने इस घटना पर गहरी संवेदना व्यक्त की है।

जन्मदिन पर बांटी खुशियां

शिक्षक ने विद्यार्थियों को स्टेशनरी भेंट कर पेश की मानवता की मिसाल

सायरा (उदयपुर). शाबाश इंडिया। भौतिकवाद के इस दौर में जहाँ लोग निजी आयोजनों पर भारी खर्च करते हैं, वहीं उदयपुर के सायरा ब्लॉक के एक शिक्षक ने अपनी पत्नी का जन्मदिन अनूठे और सेवाभावी तरीके से मनाया। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, 'मग्घा' के शिक्षक आचार्य नरेन्द्र शास्त्री ने अपनी पत्नी ज्योति यादव के जन्मदिवस के अवसर पर विद्यालय के बच्चों के बीच स्टेशनरी का वितरण किया।

60 से अधिक विद्यार्थियों को मिला शैक्षणिक सहयोग

समारोह के दौरान विद्यालय के 60 से अधिक छात्र-छात्राओं को कॉपी, पेन, पेंसिल, रबर और कटर सहित आवश्यक स्टेशनरी सामग्री भेंट की गई। निःशुल्क स्टेशनरी पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। इस अवसर पर उपस्थित भंवरलाल घोघरा ने शिक्षक शास्त्री की पहल की सराहना करते हुए कहा कि एक शिक्षक को संवेदनशील होना चाहिए। उन्होंने कहा, ''शिक्षक को अपने विद्यार्थियों की आर्थिक पृष्ठभूमि की जानकारी होनी चाहिए। इस तरह के प्रयास अनुकरणीय हैं और समाज को नई दिशा देते हैं।''

"आजाद था, आजाद हूं और आजाद रहूंगा"

तलवंडी में अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद को दी गई भावपूर्ण श्रद्धांजलि

कोटा. शाबाश इंडिया। अमर क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस के अवसर पर शनिवार को तलवंडी स्थित 'चंद्रशेखर सोसायटी' द्वारा एक विशेष श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस गौरवमयी कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने एकत्र होकर देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले महानायक को नमन किया।

राष्ट्रगान और देशभक्ति के नारों से गूँजा परिसर

कार्यक्रम का शुभारंभ आजाद जी के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। उपस्थित सदस्यों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाकर शहीदों के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की। इस दौरान भारत माता की जय और चंद्रशेखर आजाद अमर रहें के नारों से पूरा वातावरण देशभक्ति के रंग में सराबोर हो उठा। कार्यक्रम का सफल संचालन करते हुए इंजीनियर मनीष जैन ने आजाद जी के साहस और बलिदान की गाथा सुनाई। उन्होंने कहा, चंद्रशेखर आजाद का जीवन वीरता और दृढ़ संकल्प का अनुपम उदाहरण है। आज के युवाओं को उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारना चाहिए ताकि राष्ट्र निर्माण में वे अपनी महती भूमिका निभा सकें।

मंदिर पहाड़ियान में सिद्धचक्र महामंडल विधान का शुभारंभ: अष्टानिका महापर्व पर उमड़ी श्रद्धा

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुलाबी नगरी के चौकड़ी मोदी खाना स्थित प्राचीन श्री दिगंबर जैन मंदिर पहाड़ियान में अष्टानिका महापर्व के पावन उपलक्ष्य पर 'सिद्धचक्र महामंडल विधान' का भक्तिमय आयोजन प्रारंभ हुआ। यह अनुष्ठान विधानाचार्य पंडित अजीत शास्त्री के कुशल निर्देशन में विधि-विधान पूर्वक संपन्न कराया जा रहा है।

इंद्र-इंद्राणियों ने भक्ति भाव से की आराधना

मंदिर जी के श्रेष्ठी योगेश टोडरका ने बताया कि विधान के प्रथम दिन मंत्रोच्चार के बीच श्रीजी का अभिषेक और शांतिधारा की गई। इस पावन अनुष्ठान में इंद्र-इंद्राणियों ने केसरिया और पीले परिधानों में सज्ज होकर अष्ट द्रव्य के साथ अर्घ्य समर्पित किए। भक्ति भजनों की स्वर लहरियों के बीच पूरा मंदिर परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो उठा।

पुण्यार्जक परिवारों का सम्मान

विधान में प्रमुख पात्रों के रूप में पुण्यार्जन करने वाले परिवारों का मंदिर समिति द्वारा बहुमान किया गया:

सौधर्म इंद्र: बसंत - बीना बाकलीवाल परिवार।

धनपति कुबेर: पदम चंद - विजय लक्ष्मी पांड्या परिवार।

पंडित अजीत शास्त्री ने अष्टानिका महापर्व की महिमा बताते हुए कहा कि सिद्धचक्र विधान की आराधना से आठ कर्मों का क्षय होता है और आत्मा की शुद्धि होती है। अष्टानिका पर्व के दौरान मंदिर में प्रतिदिन विशेष पूजन, मंगल आरती और प्रवचनों का क्रम जारी रहेगा।

रामगंजमंडी में मुनि संघ का भव्य मंगल प्रवेश: 'जो गुरु की आज्ञा में है, वही लक्ष्य के पास है': मुनि निष्पक्ष सागर

रामगंजमंडी (कोटा). शाबाश इंडिया

अतिशय क्षेत्र कैथुली से मंगल विहार कर रहे आचार्य श्री समयसागर महाराज के आज्ञानुवर्ती शिष्य मुनि श्री 108 निष्पक्ष सागर महाराज एवं मुनि श्री 108 निस्पृह सागर महाराज का शनिवार को रामगंजमंडी नगर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। मुनि संघ के आगमन से पूरी नगरी धर्ममय हो गई और श्रद्धालुओं ने पलक-पावड़े बिछाकर गुरुदेव की अगवानी की।

बैंड-बाजों और जयकारों के साथ अगवानी

नगर की सीमा पर पहुँचते ही समाजबंधुओं ने 'विद्यासागर-समयसागर' के जयकारों से आकाश गुंजा दिया। बैंड-बाजों और दिव्यघोष के साथ मुनि संघ को नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर लाया गया। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने मुनि संघ का पाद-प्रक्षालन किया और मंगल आरती उतारकर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर के प्रवेश द्वार पर भव्य अगवानी के पश्चात मुनि द्वय ने मूलनायक शांतिनाथ भगवान के दर्शन किए।

धर्मसभा: श्रद्धा और विवेक का संगम

दर्शन के उपरांत आयोजित धर्मसभा का संचालन प्रशांत जैन शास्त्री एवं राजकुमार गंगवाल ने किया। सभा का शुभारंभ नन्हीं बालिका आर्वी जैन के मंगलाचरण नृत्य से हुआ। इस अवसर पर समाज ने मुनि संघ से आगामी आदिनाथ जयंती सानिध्य में मनाने हेतु विनम्र निवेदन किया।

छोटी खुशियों को कुर्बान करें, तो बड़ी खुशियां मिलेंगी: मुनि निस्पृह सागर: मंगल प्रवचन देते हुए मुनि श्री निस्पृह सागर महाराज ने कहा, ''प्रशंसा सभी को प्रिय लगती है, लेकिन मनुष्य को आत्म-प्रशंसा से ऊपर उठना चाहिए।'' उन्होंने विवेक के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यदि श्रद्धा को विवेक की आंख मिल जाए, तो रत्नत्रय (सम्यक दर्शन, ज्ञान, चारित्र) की पूर्णता में देर नहीं लगती। उन्होंने उदाहरण दिया कि जैसे मिट्टी में घड़ा बनने की योग्यता (उपादान शक्ति) होनी चाहिए, वैसे ही शिष्य में पात्रता होनी चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि मेहनत को अपनी आदत बना लें, तो सफलता आपका मुकद्दर बन जाएगी। पंचेंद्रिय के विषयों का त्याग करने का संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि छोटी खुशियों को कुर्बान करने पर ही शाश्वत आनंद प्राप्त होता है।

जो राम के दास, वही राम के खास: मुनि निष्पक्ष सागर

मुनि श्री निष्पक्ष सागर महाराज ने गुरु महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि आचार्य विद्यासागर महाराज का प्रताप आज भी उनके शिष्यों के माध्यम से संपूर्ण भारत को सराबोर कर रहा है। उन्होंने रामगंजमंडी के नाम की अनूठी व्याख्या करते हुए कहा, रामगंजमंडी का अर्थ है—राम (आत्मा) के पास आने का पुरुषार्थ करना। मुनि श्री ने कहा कि दुनिया धन की दास है, लेकिन धन किसी का सगा नहीं है।

'सरल मानक संस्कृतम्' पर राष्ट्रीय कार्यशाला संपन्न, व्यावहारिक प्रयोगों पर दिया जोर

लाडनूं. शाबाश इंडिया

जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) के प्राकृत एवं संस्कृत विभाग द्वारा 'सरल मानक संस्कृतम्' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य संस्कृत भाषा को उसके पारंपरिक स्वरूप से निकालकर सरल, व्यावहारिक और जनसुलभ बनाना रहा, ताकि वर्तमान पीढ़ी इसे संवाद के माध्यम के रूप में अपना सके।

भारतीय ज्ञान परंपरा की आधारशिला

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष प्रो. जिनेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि संस्कृत केवल एक प्राचीन भाषा नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, दर्शन और महान ज्ञान परंपरा की मूल आधारशिला है। उन्होंने 'सरल मानक संस्कृत' की आवश्यकता पर बल देते हुए इसे आधुनिक युग के अनुकूल और संवाद योग्य बनाने का आह्वान किया।

व्यावहारिक प्रशिक्षण और वैश्विक महत्व

मुख्य वक्ता डॉ. रामदेव साहू (विभागाध्यक्ष, जैन दर्शन) ने प्रतिभागियों को संस्कृत के व्यावहारिक प्रयोगों का गहन

प्रशिक्षण दिया। उन्होंने उदाहरणों और रोचक संवाद-शैली के माध्यम से बताया कि कैसे संस्कृत को दैनिक जीवन की बोलचाल में सहजता से शामिल किया जा सकता है। दिल्ली के श्रीलाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रो. दिनेश कुमार यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने संस्कृत के वैश्विक महत्त्व और इसके शैक्षणिक आयामों पर प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि डॉ. देवकीनंदन शर्मा (सह-आचार्य, एनसीईआरटी) ने विभिन्न सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को संस्कृत संभाषण का अभ्यास कराया।

प्रेरक संबोधन और प्रयोगात्मक अभ्यास

संस्थान के वरिष्ठ आचार्य प्रो. दामोदर शास्त्री ने अनेक रोचक उदाहरणों द्वारा व्याकरणिक संरचना को स्पष्ट किया। राजस्थान संस्कृत अकादमी की पूर्व अध्यक्षा सुषमा सिंघवी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में शोधार्थियों और विद्यार्थियों से संस्कृत के संरक्षण और संवर्धन में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

कार्यशाला के विभिन्न तकनीकी सत्रों में:

शब्दावली निर्माणः दैनिक उपयोग के नए शब्दों का परिचय।
संवाद अभ्यासः परस्पर संस्कृत में बातचीत का प्रयोगात्मक प्रशिक्षण।
व्याकरण सरलीकरणः संधि और विभक्ति के सरल प्रयोग।
कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. सब्यसाची सारंगी ने किया और डॉ. सत्यनारायण भारद्वाज ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस कार्यशाला को संस्कृत भाषा के सरलीकरण और प्रसार की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम माना जा रहा है।

मानसरोवर के वरुण पथ जैन मंदिर में 'सम्मेद शिखर विधान' आज

कल 108 पुरुष-बालक कराएंगे ऐतिहासिक आहार

जयपुर. शाबाश इंडिया

एशिया की सबसे बड़ी आवासीय कॉलोनियों में शुमार मानसरोवर के वरुण पथ स्थित प्राचीन एवं विशाल दिगंबर जैन मंदिर में आस्था और भक्ति का अनूठा समागम होने जा रहा है। आर्यिका अर्हंश्री माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में रविवार, 1 मार्च को सुबह 8:30 बजे से 'सम्मेद शिखर विधान' का भव्य आयोजन किया जाएगा।

शाश्वत तीर्थ की भावना को समर्पित विधान

सिद्धों की आराधना के शाश्वत तीर्थराज श्री सम्मेद शिखर की महिमा को समर्पित इस विधान में सैकड़ों श्रद्धालु भक्ति भाव के साथ अर्घ्य समर्पित करेंगे। मंदिर समिति के सदस्य अभिषेक जैन 'बिट्टू' ने बताया कि साजों-बाजों के साथ आयोजित इस पूजन में श्रद्धालु जल, चंदन, अक्षत, पुष्प और नैवेद्य के माध्यम से सामूहिक जिनेंद्र वंदना करेंगे। इस दौरान पुरुष वर्ग केसरिया धोती-दुपट्टे और महिलाएँ गुलाबी व पीली साड़ियों के पारंपरिक परिधान में सम्मिलित होकर वातावरण को आध्यात्मिक रंगों से सराबोर करेंगी। विधान पूजन के दौरान आर्यिका अर्हंश्री माताजी के मंगल आशीर्वचन होंगे, जिसमें विशेष रूप से युवाओं को देव-शास्त्र-गुरु के पूजन का महत्व समझाया जाएगा। आयोजन में नवयुगल दंपतियों, समाजसेवियों और युवाओं की बड़ी संख्या में भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

108 पुरुष और बालकों द्वारा ऐतिहासिक आहार चर्या

सोमवार, 2 मार्च को मंदिर प्रांगण में एक दुर्लभ और ऐतिहासिक दृश्य देखने को मिलेगा। इस दिन प्रातः 9:30 बजे से संपूर्ण आर्यिका संघ की आहार चर्या का आयोजन होगा। इस विशेष अनुष्ठान में 7 वर्ष से अधिक उम्र के बालकों सहित कुल 108 पुरुष एक साथ सहभागिता निभाएंगे। सामूहिक रूप से आयोजित होने वाली यह आहार चर्या समाज के लिए एक यादगार और प्रेरणादायी अवसर होगी।

समाज से सम्मिलित होने की अपील

आयोजन को सफल बनाने के लिए समाज समिति के अध्यक्ष जे.के. जैन, मंत्री ज्ञानचंद बिलाला, सूचित जैन, नरेश शाह, अनिल जैन और राजकुमार काला सहित विभिन्न पदाधिकारियों ने समस्त समाजजनों से इस पुण्य अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में पधारने का आह्वान किया है।

महावीर इंटरनेशनल डडूका की मानवीय पहल

अरथूना में 50 नवजात शिशुओं को भेंट की 'बेबी किट'

अरथूना (बांसवाड़ा). शाबाश इंडिया। मानवता की सेवा में समर्पित संस्था महावीर इंटरनेशनल, डडूका द्वारा शनिवार को होली के पावन अवसर पर एक विशेष सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था के 'शिशु देखभाल और सुरक्षा' राष्ट्रीय प्रोजेक्ट के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, अरथूना में 50 नवजात शिशुओं को 'मेडिकेटेड बेबी किट' वितरित किए गए।

समारोह का विवरण और अतिथि

समारोह की अध्यक्षता डॉ. निलेश भाटिया ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महावीर इंटरनेशनल के अंतरराष्ट्रीय निदेशक (ज्ञान साझाकरण एवं ई-चौपाल) अजीत कोठिया थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. विजय चौधरी, दिलीप दोसी, रणजीत सिंह सोलंकी, मणिलाल पटेल, नितेश मेहता, दिलीप देवडिया, भूपेंद्र सिंह चौहान और केसरीमल जैन उपस्थित रहे।

सेवा कार्यों की विस्तृत जानकारी

कार्यक्रम के प्रारंभ में डडूका केंद्र के अध्यक्ष रणजीत सिंह सोलंकी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और नवजात शिशुओं की माताओं को शुभकामनाएं दीं। मुख्य अतिथि अजीत कोठिया ने संस्था के दो प्रमुख स्थाई सेवा प्रकल्पों–'बेबी किट वितरण' और 'सेनेटरी नैपकिन वितरण'–के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने 'ई-चौपाल' के माध्यम से जुड़कर सेवा कार्यों को गति देने का आह्वान भी किया। अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. निलेश भाटिया ने महावीर इंटरनेशनल डडूका के सेवा कार्यों की सराहना की। उन्होंने अरथूना प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को इस पुनीत कार्य के लिए चुनने पर संस्था का आभार व्यक्त किया। डॉ. विजय चौधरी ने चिकित्सालय परिवार की ओर से सभी सदस्यों का अभिनंदन किया। समारोह के दौरान अतिथियों को संस्था की साप्ताहिक पत्रिका 'महावीर प्रवाह एक्सप्रेस' के बारे में जानकारी दी गई और इसका डिजिटल लिंक भी साझा किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन और आभार प्रदर्शन रणजीत सिंह सोलंकी द्वारा किया गया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

सिद्धवरकूट में भक्ति और शक्ति का संगम

4 मार्च को स्वर्ण कलशों से होगा भगवान बाहुबली का महामस्तकाभिषेक

सनावद. शाबाश इंडिया। साढ़े तीन करोड़ मुनिराजों की पावन निर्वाण स्थली, श्री दिगंबर जैन सिद्ध क्षेत्र सिद्धवरकूट में आगामी 4 मार्च (बुधवार) को वार्षिक होली मेला महोत्सव का भव्य आयोजन होने जा रहा है। प्राकृतिक सौंदर्य के बीच स्थित इस पवित्र तीर्थ पर श्रद्धा और भक्ति के अद्भुत रंग देखने को मिलेंगे।

धार्मिक अनुष्ठानों का समय और कार्यक्रम

प्रचार संयोजक राजेन्द्र जैन 'महावीर' के अनुसार, महोत्सव की शुरूआत तड़के सुबह से ही धार्मिक अनुष्ठानों के साथ होगी:

प्रातः 6:30 बजेः भगवान का अभिषेक, शांतिधारा एवं नित्य नियम पूजन।

प्रातः 7:30 से 9:30 बजेः मूलनायक भगवान संभवनाथ का मंगल 'मंडल विधान'।

प्रातः 10:30 बजेः भव्य विमानोत्सव, घटयात्रा एवं मंदिर जी की परिक्रमा।

दोपहर 11:30 बजेः महोत्सव का मुख्य आकर्षण– भगवान बाहुबली का स्वर्ण एवं रजत कलशों से महामस्तकाभिषेक। इसके पश्चात समस्त मंदिरों पर ध्वजारोहण और सामूहिक आरती संपन्न होगी।

प्रमुख पुण्यार्जक और व्यवस्थाएं

मेला संयोजक बाबूलाल जैन (बड़वाह) ने बताया कि इस वर्ष विधान कराने का सौभाग्य इंदौर के श्री जीवन कुमार जैन (सीए) को प्राप्त हुआ है। सम्पूर्ण मांगलिक क्रियाएं विधानाचार्य संगीतकार कमल जैन एण्ड पार्टी द्वारा संपन्न कराई जाएंगी। क्षेत्र कमेटी अध्यक्ष अमित कासलीवाल एवं महामंत्री विजय काला ने पुष्टि की है कि आयोजन के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। महामस्तकाभिषेक का पुण्य लाभ डॉ. सुभाष-सुनीता जैन (खंडवा), बाबूलाल-मीना जैन (भीकनगांव) सहित खंडवा, इंदौर और बड़वाह के कई प्रमुख परिवारों को प्राप्त हुआ है। कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं के लिए 'वात्सल्य स्वरूचि भोज' (स्नेह भोज) की विशेष व्यवस्था रहेगी।

श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क बस सेवा

दूर-दराज से आने वाले दर्शनार्थियों की सुविधा हेतु सनावद और बड़वाह से निःशुल्क बस सेवा उपलब्ध कराई गई है। यह व्यवस्था बाबूलाल जैन (जैन बस, बड़वाह) और सुरेश पाण्डया (अमर ज्योति बस, सनावद) के सौजन्य से की गई है। बसें प्रातः निर्धारित समय पर अपने गंतव्य से प्रस्थान करेंगी। क्षेत्र कमेटी के समस्त पदाधिकारियों ने जैन समाज और धर्मप्रेमी जनता से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस पुण्य अवसर का लाभ लेने की भावपूर्ण अपील की है।

पुण्यतिथि

श्रीमती बीना देवी जैन
(कोलकत्ता)
की पुण्य तिथि (28 फरवरी) पर
हार्दिक श्रद्धांजलि
श्रद्धांवत
विनोद रवीना जैन एवं समस्त परिवार जन

नचिकेतन जन शिक्षण संस्थान में विज्ञान का महाकुंभ

400 प्रतिरूपों के जरिए विद्यार्थियों ने दिखाया भविष्य का भारत

ऐलनाबाद. शाबाश इंडिया। स्थानीय नचिकेतन जन शिक्षण संस्थान में शनिवार को वार्षिक भव्य विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन अत्यंत उत्साह और हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस प्रदर्शनी में न केवल विज्ञान, बल्कि गणित, भूगोल और 'अटल नवाचार प्रयोगशाला' की अत्याधुनिक परियोजनाओं का भी अद्भुत संगम देखने को मिला।

मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ऐलनाबाद थाना प्रभारी प्रगट सिंह रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में सेवानिवृत्त खंड शिक्षा अधिकारी ऋषि शर्मा, सेवानिवृत्त प्राचार्य कृष्ण खिचड़ और सहायक उपनिरीक्षक कुलदीप कुमार उपस्थित रहे। संस्थान के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह सिद्धू, सचिव छबील दास सुथार और प्राचार्य सत्यनारायण पारीक सहित प्रबंधन समिति के सदस्यों ने माँ सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का विधिवत शुभारंभ किया।

नवाचार और तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन

प्रदर्शनी में विद्यार्थियों द्वारा 400 से अधिक कार्यशील और अकार्यशील प्रतिरूप प्रदर्शित किए गए। इनमें मुख्य आकर्षण के केंद्र रहे:

कृत्रिम मेधा और यंत्रमानव विज्ञान (रोबोटिक्स): आधुनिक तकनीक का व्यावहारिक प्रदर्शन।

पर्यावरण एवं ऊर्जा संरक्षण: सौर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन और अपशिष्ट प्रबंधन के नवाचार।

अटल नवाचार प्रयोगशाला: विद्यार्थियों की तकनीकी कुशलता और सृजनात्मक सोच को दर्शाती विशेष परियोजनाएं।

जटिल सिद्धांतों का सरलीकरण: गणित और भूगोल के कठिन विषयों को प्रतिरूपों के माध्यम से अत्यंत सरल तरीके से समझाया गया।

अभिभावकों के लिए मनोरंजक खेल और पुरस्कार

मुख्य अतिथि प्रगट सिंह ने विद्यार्थियों के प्रयासों की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए कहा कि ऐसी प्रदर्शनियाँ बच्चों में तार्किक चिंतन, अनुसंधान की भावना और आत्मविश्वास का संचार करती हैं। कार्यक्रम को और अधिक रोचक बनाने के लिए अभिभावकों के लिए भी ज्ञानवर्धक खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए गए। संस्थान प्रबंधन ने सभी अतिथियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह मंच भविष्य के वैज्ञानिकों और नवप्रवर्तकों को तैयार करने की दिशा में एक सशक्त प्रयास है।

होली पर गूंजेगा परंपरागत "रांझा-हीर" तमाशा

2 मार्च को छोटा अखाड़ा में होगा मंचन, व्यंग्य और लोकसंगीत से सजेगा आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। होली के पावन अवसर पर जयपुर की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर ''जयपुर तमाशा'' की पारंपरिक प्रस्तुति का आयोजन 2 मार्च को किया जाएगा। परंपरागत प्रदर्शन स्थल ब्रह्मपुरी स्थित छोटा अखाड़ा में दोपहर 1 बजे से प्रारंभ होने वाले इस विशेष तमाशा में ''रांझा-हीर'' के अमर प्रेमाख्यान का मंचन किया जाएगा। प्रस्तुति में रांझा और हीर की प्रेमगाथा को पारंपरिक गायन, संवाद शैली तथा लोक वाद्यों की मधुर संगत के साथ जीवंत रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। तमाशा की विशेषता के अनुरूप इसमें विभिन्न सामाजिक परिस्थितियों और समसामयिक विषयों – पहलगाम हमला, ऑपरेशन सिंदूर, ट्रंप टैरिफ, बिना छपी किताब विवाद, एप्सटीन मुद्दा और एसआईआर विवाद सहित स्थानीय मुद्दों पर तीखा व्यंग्य भी पिरोया जाएगा, जो दर्शकों को मनोरंजन के साथ विचार करने के लिए भी प्रेरित करेगा। पंडित बंशीधर भट्ट द्वारा लिखित इस तमाशा का निर्देशन प्रख्यात लोकनाट्य गुरु पंडित वासुदेव भट्ट करेंगे। इस अवसर पर कलाकार सम्मान श्रृंखला के अंतर्गत प्रख्यात ध्रुपद गायिका मधु भट्ट तैलंग, सारंगी वादक फिरदौस खान तथा वरिष्ठ रंगकर्मी सुरेश कौल का सम्मान भी किया जाएगा। पंडित वासुदेव भट्ट ने बताया कि इस प्रस्तुति को जयपुर तमाशा परिवार की छठी और सातवीं पीढ़ी के कलाकार मंचित करेंगे, जो इस जीवंत परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

बेटियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए जागरूकता अभियान

80 किशोरियों की हुई निःशुल्क हीमोग्लोबिन जाँच

जयपुर. शाबाश इंडिया। महिलाओं के स्वास्थ्य और गरिमा को समर्पित मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान एवं महिला सशक्तिकरण फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। डाबीच स्थित नव ज्योति उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य केंद्र 'मासिक धर्म स्वच्छता' और 'महिला स्वास्थ्य' रहा।

स्वास्थ्य और स्वच्छता पर विशेषज्ञों का मार्गदर्शन

प्रबंध निदेशक कौशल सत्यार्थी ने बताया कि इस कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य किशोरियों को माहवारी के दौरान स्वच्छता के वैज्ञानिक तरीकों से अवगत कराना और स्वास्थ्य संबंधी भ्रांतियों को दूर करना था। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. सुमन शर्मा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा, ''मासिक धर्म कोई बीमारी या शर्म का विषय नहीं, बल्कि एक प्राकृतिक जैविक प्रक्रिया है। इसके प्रति जागरूकता और स्वच्छता अपनाकर गंभीर संक्रमणों से बचा जा सकता है।''

सशक्त महिला से ही बनेगा सशक्त समाज

महिला सशक्तिकरण फाउंडेशन की अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा वर्मा ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि एक स्वस्थ महिला ही सशक्त परिवार और सुदृढ़ समाज की नींव होती है। उन्होंने बेटियों को अपने स्वास्थ्य के प्रति मुखर और सजग रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

80 छात्राओं की हुई रक्त जाँच

मीडिया प्रभारी प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना ने बताया कि ट्रस्ट निरंतर समाज के अंतिम छोर तक स्वास्थ्य और शिक्षा पहुँचाने का कार्य कर रहा है। इसी कड़ी में विद्यालय की 80 किशोरियों की निःशुल्क हीमोग्लोबिन जाँच की गई, ताकि उनमें रक्ताल्पता की पहचान कर उचित पोषण का सुझाव दिया जा सके।

महावीर साधना संस्थान में भक्ति का सैलाब

सिद्धचक्र विधान में श्रद्धा के साथ समर्पित किए गए 512 अर्घ्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

अष्टान्हिका महापर्व के पावन अवसर पर महावीर साधना संस्थान में मुनि श्री 108 विनम्र सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में 'सिद्धचक्र महामंडल विधान' का भव्य आयोजन निरंतर जारी है। शनिवार, फाल्गुन शुक्ल द्वादशी को आयोजित इस अनुष्ठान में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था।

पुण्यार्जक परिवारों ने किया धर्म लाभ

विधान के दौरान विभिन्न मांगलिक क्रियाओं को संपन्न करने का सौभाग्य समाज के प्रमुख परिवारों को प्राप्त हुआ। फाल्गुन मास की इस विशेष पूजा में निम्नलिखित पुण्यार्जक परिवारों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई:

कटारिया परिवार: श्री शीतल जी, श्रीमती निर्मला एवं अनमोल कटारिया।

गोधा परिवार: श्री महावीर प्रसाद जी-श्रीमती कांता जी, आशीष जी-श्रीमती ज्योति जी, श्रीमती प्रिया जी-श्री हर्ष जी एवं श्रीमती प्रियंका जी। इसके साथ ही नन्हे बालक जिनेंद्र, चार्वी और तविष जैन ने भी भक्ति भाव दिखाया।

कासलीवाल परिवार (साईवाड़ वाले): श्रावक श्रेष्ठी श्री नरेन्द्र जी एवं श्रीमती विनिया जी।

मंत्रोच्चार के बीच चढ़ाए गए 512 अर्घ्य

मुनि श्री विनम्र सागर जी महाराज के सानिध्य में पुण्यार्जक परिवारों को शांतिधारा, पाद-प्रक्षालन, शास्त्र भेंट एवं दीप प्रज्ज्वलन करने का दुर्लभ अवसर प्राप्त हुआ। शनिवार को विधान के विशेष सत्र में मंत्रोच्चार और जयकारों के बीच भगवान के चरणों में 512 अर्घ्य समर्पित किए गए। मुनि श्री ने अपने संबोधन में सिद्धचक्र विधान की महिमा बताते हुए कहा कि यह आत्मा को कर्मों के बंधन से मुक्त करने की एक सर्वश्रेष्ठ साधना है।

उजड़ कर भी बसा हुआ इंसान : हादसों से संवाद

नितिन जैन

''और अब हादसे भी परेशान हैं गुजर कर मुझसे,
मैं उजड़ने के बाद भी बसा हुआ सा लगता हूं।''

यह केवल शब्दों की सजावट नहीं, बल्कि उस मन की सच्चाई है जिसने टूटकर भी बिखरने से इनकार कर दिया। जीवन में ऐसे दौर आए जब लगा कि सब कुछ समाप्त हो गया है। जिन पर भरोसा था, वही किनारा छोड़ गए; जिन रिश्तों को अपना समझा, वही प्रश्न बनकर सामने खड़े हो गए; जिन सपनों को सींचा, वे धूल में मिलते दिखाई दिए। पर शायद ईश्वर मनुष्य को उतनी ही अग्नि में डालता है, जितनी उसकी सहनशक्ति को पहचानती है। मैं भी जला, तपा और पिघला, लेकिन राख नहीं हुआ। उजड़ना केवल घर का नहीं होता, कभी-कभी मन भी उजड़ जाता है। विश्वास टूटे तो भीतर की दीवारें दरकती हैं, अपमान मिले तो आत्मा सिसकती है और जब अपने ही आरोप लगाने लगें तो हृदय मौन हो जाता है। मैंने यह सब महसूस किया है। कई रातें ऐसी रहीं जब नींद आंखों से दूर रही, कई सुबहें ऐसी थीं जब सूरज भी फीका लगा। पर उसी अंधेरे में एक हल्की-सी रोशनी भी थी—अपने भीतर का विश्वास। वही विश्वास जिसने कहा कि रुकना नहीं है, झुकना नहीं है और टूटना नहीं है। लोग अक्सर समझते हैं कि जो चुप है वह कमजोर है, जो सह रहा है वह हार चुका है। लेकिन सच्चाई यह है कि जो सह लेता है वही सबसे मजबूत होता है। मैंने सीखा कि हर आरोप का उत्तर शब्दों से नहीं, चरित्र से देना चाहिए और हर अन्याय का जवाब क्रोध से नहीं, धैर्य से देना चाहिए। समय सबसे बड़ा निर्णायक है, और समय ने हर बार सिद्ध किया कि सच्चाई को दबाया जा सकता है, मिटाया नहीं जा सकता। हादसे आते रहे—कभी सम्मान पर चोट लगी, कभी सामाजिक छवि पर प्रश्न उठे, तो कभी आर्थिक और मानसिक संघर्षों ने घेरा। लेकिन हर संघर्ष ने मुझे अपने भीतर झांकने का अवसर दिया। तब समझ आया कि असली संपत्ति नाम या पद नहीं, बल्कि आत्मबल है। जब सब कुछ छिन जाए और फिर भी आप खड़े रहें, तभी आप स्वयं को पहचानते हैं। उजड़ने के बाद ही एहसास होता है कि हमारा वास्तविक घर बाहरी इमारतों में नहीं, बल्कि हमारे संस्कारों और सिद्धांतों में बसता है। आज पीछे मुड़कर देखता हूं तो उन कठिन क्षणों को धन्यवाद देने का मन करता है। यदि वे न आते तो शायद मैं इतना गहरा, स्थिर और सजग न बन पाता। जिन्होंने गिराने का प्रयास किया, उन्होंने अनजाने में मुझे ऊंचा उठने का अवसर दिया। जिन्होंने पीठ पीछे वार किया, उन्होंने सामने से चलना सिखाया। जिन्होंने साथ छोड़ा, उन्होंने आत्मनिर्भरता का पाठ पढ़ाया। अब हाल यह है कि शायद हादसे भी सोचते होंगे कि यह व्यक्ति टूटता क्यों नहीं। क्योंकि मैं जान चुका हूं कि मेरा बसना किसी बाहरी सहारे पर नहीं, बल्कि मेरे विश्वास पर टिका है। मेरा उजड़ना अधूरा है, क्योंकि भीतर की नींव अडिग है। आंधियां आईं तो जड़ें और गहरी हो गईं, वर्षा हुई तो मिट्टी और मजबूत हो गई। जीवन ने सिखाया है कि मनुष्य को परिस्थितियां नहीं, उसका दृष्टिकोण परिभाषित करता है। यदि हम हर पीड़ा को शिक्षा, हर अपमान को परीक्षा और हर संघर्ष को साधना मान लें, तो कोई भी हमें स्थायी रूप से हरा नहीं सकता। उजड़ना अंत नहीं, बल्कि एक नया प्रारंभ है—और जो इस प्रारंभ को स्वीकार कर लेता है, वह सच में कभी उजड़ता नहीं। आज मैं पहले से अधिक शांत और स्पष्ट हूं। भीतर का विश्वास पहले से अधिक दृढ़ है। यही कारण है कि उजड़ने के बाद भी मैं बसा हुआ सा लगता हूं, क्योंकि मेरा घर अब दीवारों में नहीं, मेरे आत्मबल में बसता है।

नितिन जैन
संयोजक – जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा)
जिलाध्यक्ष – अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल
मो.: 9215635871

एम्बीशन किड्स में उल्लास और ज्ञान का संगम

नन्हे-मुन्नों ने खेली गुलाल होली, विज्ञान प्रतियोगिता में दिखाया दम

जयपुर. शाबाश इंडिया

स्थानीय एम्बीशन किड्स एकेडमी के प्रांगण में शनिवार को सांस्कृतिक परंपरा और आधुनिक विज्ञान का अनूठा समन्वय देखने को मिला। विद्यालय में 'गुलाल होली' के रंगारंग उत्सव के साथ-साथ 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' के उपलक्ष्य में भव्य विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

रंगों और मुस्कान से सजी 'गुलाल होली'

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. मणि एवं डॉ. शांति मणि द्वारा माँ सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। होली के अवसर पर प्री-प्राइमरी खंड के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने रंग-बिरंगे परिधानों में लोकगीतों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए। बच्चों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया। उत्सव के अंत में नन्हे सितारों को मिठाई, केक और पिचकारी वितरित की गई, जिससे बच्चों के चेहरे खिल उठे।

विज्ञान प्रश्नोत्तरी: तार्किक सोच की परीक्षा

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए त्रि-स्तरीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई: प्रथम स्तर: प्रेप से कक्षा 2 तक के नन्हे जिज्ञासु। द्वितीय स्तर: कक्षा 3 और 4 के विद्यार्थी। तृतीय स्तर: कक्षा 6 और 7 के छात्र।

विद्यार्थियों ने विज्ञान और सामान्य ज्ञान से जुड़े कठिन प्रश्नों के त्वरित उत्तर देकर अपनी तार्किक क्षमता और आत्मविश्वास का परिचय दिया। प्राचार्या डॉ. अलका जैन ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि विज्ञान केवल एक विषय नहीं, बल्कि निरंतर खोज और जिज्ञासा की प्रक्रिया है।

विजेताओं का सम्मान

प्रतियोगिता के समापन पर निदेशक डॉ. मनीष जैन, डॉ. अलका जैन एवं अनीता जैन ने विभिन्न श्रेणियों के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम समन्वयक अंजना, निशा, रेनू एवं समस्त शिक्षिकाओं का विशेष योगदान रहा। इस दोहरे आयोजन ने विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के साथ-साथ भविष्य के वैज्ञानिक नवाचारों के लिए भी प्रेरित किया।

श्री वीर सेवक मण्डल, जयपुर

105 वर्ष प्राचीन दिगम्बर जैन समाज की स्वयंसेवी संस्था

विशाल होली स्नेह मिलन

फूलों की रंगारंग होली

चंग ढप की विशेष प्रस्तुति

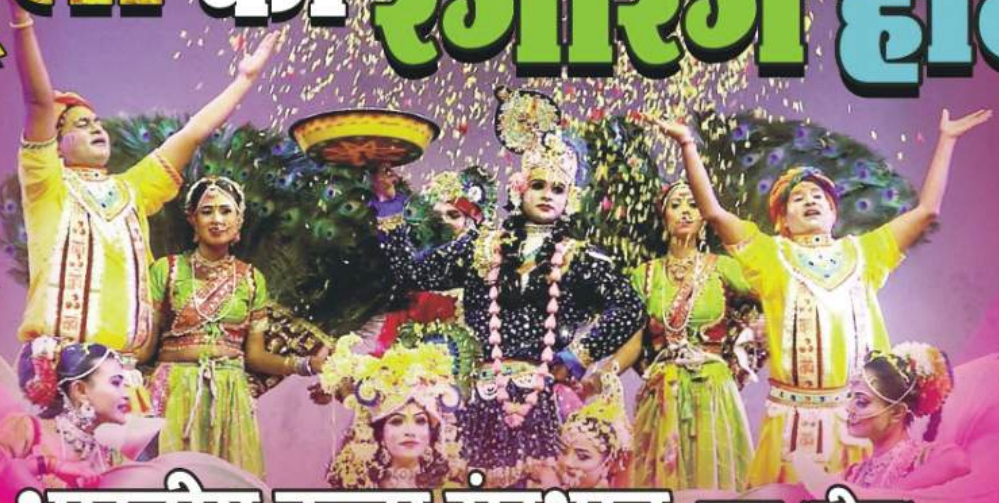

भारतीय कला संस्थान, ब्रज (डीग) के कलाकारों द्वारा

रविवार, दिनांक 1 मार्च, 2026 • सांय 7.00 बजे

स्थान : भट्टारक जी की नसियाँ, जयपुर

मुख्य अतिथि :

समाजसेवी श्री राकेश जी गोदिका
श्रीमती समता जी गोदिका
प्रकाशक : शाबास इंडिया समाचार पत्र

दीप प्रज्जवलनकर्त्ता :

समाजसेवी श्री गजेन्द्र जी पाटनी
श्रीमती सीमा जी पाटनी
कीर्ति नगर

महेश काला
अध्यक्ष

आप सादर आमंत्रित है।

भानु कुमार छाबड़ा
मानद् मंत्री

प्रदीप गोधा
उपाध्यक्ष

सुरेश भौंच
संयुक्त मंत्री

राकेश छाबड़ा
कोषाध्यक्ष

शरद बाकलीवाल
स्टोर इंचार्ज

कार्यकारिणी सदस्य

अरुण कोड़ीवाल • नरेश कासलीवाल • अतुल बोहरा • योगेश टोडरका • महेश बाकलीवाल

सहवृत्त सदस्य

निर्मल पाटनी • मितेश ठोलिया • पंकज अजमेरा "दातारामगढ़" • सौरभ गोधा

विशेष आमंत्रित

ओमप्रकाश बड़जात्या • सौभागमल जैन • सिद्धार्थ बड़जात्या • कान्ति चन्द नृपत्या

नरेश कासलीवाल
संयोजक

सुरेश भौंच
सह संयोजक

योगेश टोडरका
सह संयोजक

कुंभलगढ़ में 'धुरंधर' होली का धमाका

गायिका मधुबंती बागची की लाइव परफॉर्मेंस बनेगी मुख्य आकर्षण

(रिपोर्ट/फोटोः राकेश शर्मा 'राजदीप')

उदयपुर/कुंभलगढ़. शाबाश इंडिया। मेवाड़ की सांस्कृतिक विरासत और अरावली की सुरम्य पहाड़ियों के बीच इस वर्ष होली का उत्सव एक नए अंदाज में मनाया जाएगा। आगामी 4 मार्च को परशुराम गुफा मार्ग स्थित काननवास रिसॉर्ट में ''धुरंधर होली पार्टी'' का भव्य आयोजन होने जा रहा है।

अरावली की वादियों में रंगों और सुरों का संगम

निदेशक मनीष कच्छावा ने बताया कि कुंभलगढ़ के इतिहास में इस तरह की वृहद होली पार्टी पहली बार आयोजित की जा रही है। अरावली गार्डन्स के खुले प्रांगण में दोपहर 12:00 से 3:30 बजे तक चलने वाले इस उत्सव में ऑर्गेनिक गुलाल, रंगभरी पिचकारियां और 'सफेद ड्रेस कोड' मुख्य आकर्षण रहेंगे। आयोजन को पूरी तरह से नशामुक्त और पारिवारिक वातावरण में रखा गया है।

बॉलीवुड सिंगर मधुबंती बागची बिखेरेंगी सुरों का जादू

इस उत्सव की सबसे बड़ी विशेषता बॉलीवुड की चर्चित गायिका मधुबंती बागची की लाइव परफॉर्मेंस होगी। 'स्त्री-2' और 'धुरंधर' जैसी फिल्मों में अपनी आवाज का जादू चलाने वाली मधुबंती अपने डांस ट्रूप के साथ 'आज की रात', 'उई अम्मा', 'तेनु नैना लड़ावा' और 'शरारत' जैसे सुपरहिट गीतों पर प्रस्तुति देंगी। आगरा घराने की शास्त्रीय परंपरा में प्रशिक्षित मधुबंती गजल से लेकर रॉकिंग स्टाइल तक में दक्ष मानी जाती हैं।

विशेष सुविधाएँ और प्रवेश प्रक्रिया

महाप्रबंधक देवेन्द्र सिंह के अनुसार, प्रतिभागियों के लिए पारंपरिक ठंडाई और हल्के जलपान (स्नैक्स) की विशेष व्यवस्था रहेगी।

प्रवेशः युगल (कपल) और व्यक्तिगत (स्टैग) दोनों तरह की प्रविष्टियां मान्य हैं।

पंजीकरणः इच्छुक प्रतिभागी रिसॉर्ट की वेबसाइट **www.kananvas.com** पर अपना स्थान सुरक्षित कर सकते हैं।

विशेष छूटः 10 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है।

नियमः टिकट ''पहले आओ, पहले पाओ'' के आधार पर सीमित संख्या में उपलब्ध हैं।

प्रबंध सदस्य अर्जुन सांखला ने बताया कि युवाओं और पर्यटकों के बीच इस आयोजन को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है। कुंभलगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता के बीच संगीत और रंगों का यह मेल होली के अनुभव को यादगार बना देगा।

भट्टारक जी की नासियां में आज महकेगी 'फूलों की होली': ब्रज के कलाकार बिखेरेंगे भक्ति के रंग

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुलाबी नगरी की 105 वर्ष पुरानी प्रतिष्ठित स्वयंसेवी संस्था, श्री वीर सेवक मण्डल द्वारा रविवार को पारंपरिक 'होली स्नेह मिलन समारोह' का भव्य आयोजन किया जा रहा है। भट्टारक जी की नासियां (नारायण सिंह सर्किल) के प्रांगण में आयोजित होने वाले इस उत्सव का मुख्य आकर्षण 'फूलों की रंगारंग होली' होगी।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का अद्भुत संगम

मण्डल के अध्यक्ष महेश काला एवं मंत्री भानु छाबड़ा ने बताया कि कार्यक्रम आज सायं 7:00 बजे से प्रारंभ होगा। आयोजन के संयोजक नरेश कासलीवाल के अनुसार, इस वर्ष भारतीय कला संस्थान, ब्रज (डीग) के प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी। इसमें फूलों की होली के साथ-साथ ब्रज के पारंपरिक लोकनृत्यों के माध्यम से भक्ति और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। सह-संयोजक सुरेश भौंच एवं योगेश टोडरका ने जानकारी दी कि समारोह के मुख्य अतिथि श्री राकेश-समता गोदिका (प्रकाशक, शाबास इण्डिया) होंगे। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ समाजसेवी श्री गजेन्द्र-सीमा पाटनी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया जाएगा। श्री वीर सेवक मण्डल पिछले एक दशक से अधिक समय से जैन समाज को एकता के सूत्र में पिरोने और भारतीय संस्कृति के संरक्षण हेतु इस स्नेह मिलन का आयोजन करता आ रहा है। इस भव्य आयोजन में जयपुर के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में समाजजन सम्मिलित होकर गुलाल के स्थान पर फूलों से होली खेलकर प्रेम और भाईचारे का संदेश साझा करेंगे।

बिड़ला सभागार में गूँजे ठहाके

20वें हास्य कवि सम्मेलन में कवियों ने गुदगुदाया, व्यंग्य से भ्रष्टाचार पर किए प्रहार

जयपुर. शाबाश इंडिया

गुलाबी नगरी के बिड़ला सभागार में शनिवार की शाम हास्य और व्यंग्य के नाम रही। जैन सोशल ग्रुप्स इंटरनेशनल फेडरेशन रीजन के ग्रुप 'जैन सोशल ग्रुप कैपिटल' द्वारा आयोजित 20वें भव्य कवि सम्मेलन में देश के विख्यात कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को लोटपोट कर दिया। हास्य के साथ-साथ कवियों ने सामाजिक विसंगतियों और भ्रष्टाचार पर भी तीखे प्रहार किए।

अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन और सम्मान

कार्यक्रम का शुभारंभ निवर्तमान पार्षद पारस-पूजा जैन, मुख्य अतिथि मुकेश-दीपा (मेटा ज्वैल्स), विशिष्ट अतिथि मोहन लाल-निर्मला अग्रवाल एवं निर्मल कुमार-संतोष गोयल द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। अध्यक्षता वरिष्ठ अधिवक्ता महेंद्र-कुसुम शाह जैन ने की। मुख्य समन्वयक व संस्थापक सुभाष चन्द्र जैन एवं अध्यक्ष राजकुमार काला ने सभी अतिथियों का तिलक व माल्यार्पण कर स्वागत किया। शकुंतला पांड्या व साथियों द्वारा प्रस्तुत मधुर मंगलाचरण ने वातावरण में दिव्यता घोल दी। सम्मेलन की सूत्रधार डॉ. प्रेरणा ठाकरे (नीमच) ने अपनी पंक्तियों अज्ञानी भी ज्ञान दे रहे दुनिया बड़ी कमाल की, आप सभी को बहुत बधाई रंगारंग गुलाल की से होली के उल्लास को द्विगुणित कर दिया।

रिश्तों की अहमियत

नाथद्वारा के कवि कानू पण्डित ने भावुक करते हुए कहा कि ज़िन्दगी में लाख ऊंची हो भले उड़ान तेरी, परिवार के प्रति तूं फर्ज मत भूलना... बूढ़े पिताजी का कर्ज मत भूलना।

हास्य का तड़का: उज्जैन के अशोक भाटी ने मदिरा और नीयत पर चुटीले कटाक्ष कर श्रोताओं की खूब दाद बटोरी। शाजापुर के पं. अशोक नागर ने ''रंग का गुलाल का रोली का काम क्या'' सुनाकर माहौल को फाल्गुनी रंग में सराबोर कर दिया।

श्रृंगार और व्यंग्य: मेरठ की कवयित्री डॉ. शुभम त्यागी ने ''खूबसूरत सी लगने लगी जिंदगी'' के माध्यम से श्रृंगार रस की छटा बिखेरी। वहीं, फरीदाबाद के सरदार मनजीत सिंह ने व्यवस्था पर प्रहार करते हुए कहा– ''अरबों का माल लूट के वो उड़ गए विदेश, कुछ मुर्गी चोरों को यहाँ पर जेल हो गई।''

अहिंसा का संदेश

बदनावर के राकेश शर्मा ने ''शांति के रथ पर होकर सवार, अहिंसा की हाथ में ले पतवार'' के माध्यम से मानवीय मूल्यों का संदेश दिया। सचिव प्रमोद जैन और संयोजक नीरज जैन ने बताया कि देर रात तक चले इस सम्मेलन में श्रोता कवियों की रचनाओं में इस कदर डूबे कि हर पंक्ति के बाद तालियों की गड़गड़ाहट से सभागार गूँजता रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन चौधरी ने किया।

प्रधानाचार्य अंजुला जैन को भावभीनी विदाई

समर्पित सेवा और अपनत्व के लिए किया गया सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

ज्योति नगर के कठपुतली नगर स्थित राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती अंजुला जैन के सेवानिवृत्त होने पर शनिवार को विद्यालय परिसर में एक गरिमामयी विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्थानीय जन-प्रतिनिधियों, शिक्षाविदों और गणमान्य नागरिकों ने उनके अनुकरणीय सेवाकाल की मुक्त कंठ से सराहना की।

शिक्षा के प्रति समर्पण और अपनत्व की मिसाल

समारोह के मुख्य वक्ता, वरिष्ठ भाजपा नेता एवं कठपुतली नगर विकास समिति के अध्यक्ष डॉ. ओ.पी. टांक ने अपने संबोधन में कहा कि अंजुला जैन केवल एक प्रशासक नहीं, बल्कि एक संवेदनशील शिक्षाविद् रही हैं। उन्होंने कहा, प्रधानाचार्य जैन ने सदैव बालिकाओं को अपनत्व का भाव दिया, जिससे छात्राओं में आत्मविश्वास जगा और उन्होंने अपनी शिक्षा को निरंतर जारी रखा। उनका सेवाभावी और समर्पित व्यक्तित्व सदैव प्रेरणादायी रहेगा।

समाजसेवियों और स्थानीय लोगों ने जताया आभार

महासचिव अशोक शर्मा, गोविंद खोड़ा, अरुण गागोलिया और विनोद भाट सहित बड़ी संख्या में उपस्थित समाजसेवियों ने भी उनके कार्यकाल के दौरान विद्यालय में हुए सकारात्मक बदलावों को याद किया। सभी ने पुष्पगुच्छ और स्मृति चिह्न भेंट कर उनके सुखद और स्वस्थ भविष्य की कामना की।

भावुक क्षण: 'स्नेह और सद्भाव ही मेरी असली पूंजी'

अपनी विदाई पर भावुक होते हुए प्रधानाचार्य अंजुला जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया। विद्यालय और क्षेत्र के लोगों से जो स्नेह, सम्मान और अपनापन उन्हें मिला, वही उनकी पूरी सेवा यात्रा की सबसे बड़ी पूंजी है। कार्यक्रम का समापन सामूहिक प्रीतिभोज और स्मरणीय छायाचित्रों के साथ हुआ।